D.O.B - 22 May 1925

death - 29 Oct 2018

अमित शाह
अध्यक्ष
Amit Shah
President

01 अक्टूबर, 2018

श्री जितेन्द्र जगोता जी,

यह जानकर कष्ट हुआ कि श्री भगवत स्वरूप जी प्रचारक एवं (पूर्व संगठन मंत्री) जम्मू कश्मीर का दुःखद निधन हो गया। उनका स्वर्गवास निश्चित रूप से आपकी व्यक्तिगत क्षति के साथ पार्टी की क्षति भी है। उन्होंने आजीवन पार्टी एवं संघ कार्य के लिये अपना संपूर्ण जीवन लगा दिया। जम्मू कश्मीर जैसा दुर्गम राज्य में संगठन को खड़ा करने के लिये कठिन परिश्रम किया। उनकी सादगी व कर्मठता पूरे क्षेत्र में प्रेरणास्पद है।

मैं दुःख की इस घड़ी में पारिवारिक सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

भवदीय

(अमित शाह)

प्रति,

डॉ. जितेन्द्र जगोता (भतीजा)
74, ज्योति अपार्टमेंट,
पीतमपुरा, दिल्ली–110034

6–ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली–110002 | दूरभाष : +91 11 23500000 | फैक्स : +91 11 23500190 | ई–मेल : amitshah.bjp@gm
6-A, Deendayal Upadhyay Marg New Delhi-110002 | Phone: +91 11 23500000 | Fax: +91 11 23500190 | E-mail: amitshah.bjp@gmail

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
01 अक्टूबर, 2018

डॉ. जितेन्द्र जगोता जी,

श्री भगवत स्वरूप जी के देहावसान के बारे में जानकर गहरा दुःख हुआ है।

स्वर्गीय भगवत जी ने जिस कर्मठता के साथ संगठन के विस्तार में योगदान दिया, उसके लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। समाज सेवा व संस्कार उनके लिए सर्वोपरि थे। उनका निधन संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह श्री भगवत स्वरूप जी की आत्मा को शांति दें और इस मुश्किल घड़ी में शोक संतप्त परिवार को दुःख सहन करने का धैर्य, साहस और संबल प्रदान करें।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

डॉ. जितेन्द्र जगोता
74, ज्योति अपार्टमेंट

कबीरा खड़े बज़ार में लिये लुकाटी हाथ

जो घर फूंके आपना, चले हमारे साथ

सदा सर्वदा संघ का ध्यान होवे

इसी के लिये नष्ट यह प्राण होवें

प्रभु दीजिये संघ भक्ति अनन्त

बनूं ध्येय का रूप में मूर्ति मन्त

=

SATURDAY 26 APRIL, 1952

Vir BHAWAN

D.A.V. College
Julundhur
29.8.42

...य नन्दन

सुप्रेम नमस्ते

...रात्रि को हमारे प्रिय मित्र
...से मिले। कितनी प्रसन्नता होती है
...प्रिय बन्धुओं को मिल कर। हम
...मेरे से जुदा हुए परन्तु मन में
...र त्याग का संदेश लिये। हमारे
...का moto था Love and
...। कालिज होल में बहुत

"میں نے اِک پیڑ پہ جو نام لکھا تھا دیتا
کئی دنوں زخم کی مانند وہ تازہ ہو گا
میرے سب دوست اسے دیکھ کے ہنستے ہوں گے
جانے کس دیس میں بے چارہ بھٹکتا ہو گا
عمر بھر کون کسے یاد کیا کرتا ہے
ایک ایک کر کے مجھے سب نے بھلایا ہو گا"

रामकोट
19.1.57

प्रिय सत्य जी

~~[illegible]~~ आज आना हुआ रामकोट शनि को पोहंच ही गया। जम्मू से चलते समय विचार तो था कि रास्ता खराब होगा। अगर कोई व्यक्ति साथ हो तो संग सुविधा से निकल जाए गा। परन्तु मज़ा हुआ जो प्राकृतिक आनन्द स्वयं लेते ही समझा। इतना दूर का प्रवास था तो जम्मू से पैहली बस आना चाहिये था। परन्तु देर हो गई और २ बजे के बाद दयाले चक पोहंचा। वहां दोकानदार ने कहा भी कि देर हो गई है और वर्षा के कारण रास्ता बहुत टूटा हुआ है इस लिये रास्ते में ठहर जाना।

सांय ६ बजे तक तो ठीक चलता रहा उस के पश्चात भी जंगल और पहाड़ की सुन्दरता में आनन्द तो बहुत आता परन्तु कीचड़ और वर्षा ने मज़ा किरकिरा कर दिया और सरदी से मेरे विचारों के तार टूट गये

सत्य जी मार्ग तो कठिन था ही परन्तु सारा समग्र विचारों का भी एक भार सा बना रहा। आप कुछ देर से चुप [illegible] हैं। पता नहीं क्या कारण है कुछ महसूस करते हैं। मैं जब कोठी से चला तो आप से बात चीत हो नहीं सकी। इतना तो सत्य है कि कर्म करने में गम्भीरता होनी चाहिये। यही विशेष गुण है परन्तु विचारों में डूबे रहना कई बार हानिकारक हो जाता है। [illegible] स्वयं बहुत सी बातों को समझाते हैं

" ہائے اُن کو بھی خبر کیا کہ وہ اک زخم نصیب
زندگی سے نکلا تھا جو دوری بن کر
آج تک پا نہ سکا چشمۂ آب حیواں
اس کو سو رنج بھی ملے ہیں تو سیاہی بن کر "

[illegible]
[illegible]

"उस फूल से कांटा ही भला — जिस की चुभन काटे से भी अधिक हो।"

सांझ अपनी अन्तिम सीढ़ी पार करके रात के अन्धकार को चूमने जा रही थी और हमारी खामोशी को हवा के तेज़ तेज़ झोंके बारबार छेड़ रहे थे ।

...... भटके हुए यात्री हैं । एक वह जो अपनी मंज़िल खो बैठा है और दूसरा जो मंज़िल पर पहुँच कर स्वयं को खो बैठा है ।

उस कांटे से फूल ही भला जिस की चुभन कां
से भी अधिक है।